अंचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद।

विविध वाद सं0 11 (II) / 2017-18

दिनांक	आदेश फलक	अभ्युक्ति
28/10/17	आवेदक श्री चन्द्रशेखर अग्रवाला निदेशक सृष्टि बिल्डर्स प्रा0 लि0 उर्मिला टॉवर के द्वारा मौजा धनबाद खाता सं0 157 प्लॉट सं0 2359 एवं खाता सं0 07, 50 प्लॉट सं0 2360 एवं 2361 दोनों खाता का कुल रकबा 13.65 कट्टा से संबंधित है। जिसमें आवेदक को लगान रसीद तथा जमाबंदी को नियमित करने का अनुरोध किया गया है। इस संबंध में राजस्व कर्मचारी से जाँच प्रतिवेदन अंचल निरीक्षक के माध्यम से मॉग करें। अभिलेख दिनांक 03/11/17 को रखें। अंचल अधिकारी, धनबाद।	
03/11/17	अभिलेख उपस्थापित। संबंधित राजस्व कर्मचारी का जाँच प्रतिवेदन अंचल निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त हुआ। राजस्व कर्मचारी ने अपने जाँच प्रतिवेदन में उल्लेखित किया है कि प्रश्नगत भूमि मौजा धनबाद मौजा न0 51, खाता न0 157, 07, 50 प्लॉट सं0 2359, 2360, 2361 रकबा 13.65 कट्टा से संबंधित है। खाता सं0 157 प्लाट सं0 2359 गैरआबाद मालिक खाते की है तथा खाता सं0 07 एवं 50 प्लॉट सं0 2360 एवं 2361 रैयती खाते की है। खाता सं0 157 सर्वप्रथम राजा शिव प्रसाद सिंह से दलील सं0 7530 एवं 7532 दिनांक 09.11.45 में राय बहादूर बली राम तनेजा ने प्राप्त किया था। तत्तपश्चात् जमाबंदी सं0 472 एवं 473 श्री तनेजा के नाम दर्ज हुआ। श्री तनेजा ने वर्ष 1952 में निबंधित दलील सं0 682 के द्वारा मंत्री झरिया धनबाद गोशाला से प्राप्त कर दाखिल खारिज केश सं0 8(III) 68-69 के दखलकार हुए। अपर समाहर्ता, धनबाद के आदेश्ज्ञ दिनांक 26.02.93 तथा अंचल अधिकारी के पत्रांक 599 दिनांक 03.05.93 के आलोक में मंत्री झरिया धनबाद गोशाला के नाम से जमाबंदी दर्ज की गयी। मंत्री झरिया धनबाद गोशाला से आवेदक निबंधित दलील सं0 3882 दिनांक 13.01.2010 के द्वारा प्राप्त कर दाखिल खारिज केश सं0 न0 1363 (III) 12-13 के तहत सृष्टि बिल्डर्स प्रा0 लि0 उर्मिला टॉवर डारेक्टर चन्द्रशेखर अग्रवाला के नाम से जमाबंदी सं0 4870 में लगान रसीद निर्गत होता है। जमीन पर क्रेता का (आवेदक) कब्जा है। प्राप्त प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात् यह ज्ञात हुआ कि राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन सही है इसलिए उक्त जमाबंदी सं0 4870 को नियमित करने की अनुशंसा की जाती है। अतः अभिलेख अग्रेतर कार्रवाई हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता, धनबाद को भेजें। लेखापित एंव संशोधित। अंचल अधिकारी, धनबाद। अंचल अधिकारी, धनबाद।	

Scanned with CamScanner

सेवा में
श्रीमान अंचल अधिकारी,
धनबाद ।

द्वारा:- अंचल निरीक्षक, धनबाद ।

(57)

विषय:- मौजा धनबाद (51) के खाता सं० 157, 7 एवं 50 प्लॉट सं० 2359, 2360, 2361 रकबा 13.65 कट्ठा के दाखिल खारिज जाँच प्रतिवेदन ।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में हल्का में उपलब्ध राजस्व कागजातों से जाँच किया । जाँच के क्रम में पाया कि प्रश्नगत जमीन मौजा धनबाद मौजा सं० 51 खाता सं० 157, 7, 50 प्लॉट सं० 2359, 2360, 2361 रकबा 13.65 कट्ठा से सम्बन्धित है । खाता सं० 157 प्लॉट सं० 2359 जो रकबा धनबाद मालिक खतियान की है तथा खाता सं० 7 एवं 50 प्लॉट सं० 2360 एवं 2361 रैयती खतियान की है। खाता सं० 157 सर्वप्रथम राजा शिवप्रसाद सिंह से दलील सं० 7530 एवं 7532 दिनांक 9.11.45 में राय बहादुर तनौरा राम कुँवेनसा ने प्राप्त किया था । तत्पश्चात वाद सं० 472, एवं 473 की 1952 में निबंधित तनेसा के नाम दर्ज हुआ । श्री तनेसा ने प्राप्त दलील सं० 682 के द्वारा मंत्री झरिया धनबाद गौशाला के द्वारा दखलकार कर दाखिल खारिज केस सं० 8(III) 68-69 के द्वारा दखल कर आदेश दिनांक 26/02/93 तक हुए । अपर समाहर्त्ता धनबाद के पत्रांक 599 दि० 03.5.93 के आलोक में अंचल अधिकारी के नाम से जमाबंदी दर्ज की गई । मंत्री झरिया धनबाद गौशाला के नाम से आवेदक निबंधित दलील मंत्री झरिया धनबाद गौशाला से आवेदक निबंधित दलील के द्वारा प्राप्त कर दा०खा० केस सं० 3882 दिनांक 13.01.2010 के द्वारा प्राप्त कर दा०खा० केस सं० 1363 (III) 2012-13 के तहत सृष्टि बिल्डर्स प्रा० लि० डायरेक्टर चन्द्रशेखर अग्रवाल के नाम से ज० सं० 4870 में लगान रसीद निर्गत होता है । लगान वर्ष 2013-14 तक निर्गत है । जमीन पर क्रेता का कब्जा है ।

अतः आवेदक द्वारा समर्पित राजस्व कागजात के आलोक में उक्त जमीन को नियमित करने हेतु जाँच प्रतिवेदन समर्पित ।

विश्वासभाजन

[signature]
R.K.

अनुलग्नक:-
1. दलील सं० 7530 एवं 7532
2. दलील सं० 682
3. दलील सं० 3882, रसीद, शुद्धि पत्र तथा आदेश की छायाप्रति

[signature] / 6/7